

मुख्यमंत्री ने कथिा नरिभया कमांड और कंट्रोल सेंटर का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- 27 सतिंबर, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने नवास कार्यालय से परविहन वभिाग द्वारा महिलाओं के सुरकषति सफर के लयि नरिमति नरिभया कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (जीपीएस) का वरचुअल शुभारंभ कथिा ।

परमुख बदिु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसके अलावा परविहन वभिाग की दो अन्य महत्त्वपूर्ण परयिोजनाओं का भी वरचुअल शुभारंभ कथिा, जसिमें अनफटि वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने हेतु रायपुर व दुर्ग में ऑटोमेटेड फटिनेस सेंटर के साथ ही वभिनिन लकैज मार्गों से गुजर रहे वाहनों की मॉनटरिग के लयि ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रकिंगनशिा कैंमरा स्थापति करने से जुड़ी परयिोजनाएँ शामिल हैं ।
- छत्तीसगढ़ में यात्री बसों में महिलाओं एवं स्कूल बसों में वदियार्थयिों की सुरकषा को सुनशिचति करने के लयि नरिभया फ्रेमवरक के अंतरगत सभी स्कूल बस में पैनकि बटन लगाया जाएगा और वहीकल ट्रैकगि सॉफ्टवेयर के माध्यम से गाड़यिों की ट्रैकगि कजिाएगी ।
- पैनकि बटन लगाने से बस में कसिी प्रकार की दुर्घटना, छेड़छाड़ होने पर पैनकि बटन दबाने से तुरंत नरिभया कमांड सेंटर और पुलसि वभिाग के डायल 112 को सूचना मलि जाएगी ।
- इसके साथ ही बसों की लोकेशा, स्पीड आदिका भी पता चलता रहेगा । इससे बसें नयितरति गति से चलेंगी, जसिसे हादसे की आशंका भी कम हो जाएगी । जीपीएस ससिस्टम का कंट्रोल रूम डायल 112 के कार्यालय में बनाया गया है ।
- इस वयवस्था के शुरु होने से जनता को कसिी तरह के खतरे तथा अनहोनी से नपिटने में काफी सहूलयित होगी । वर्तमान में प्रदेश में कुल 12 हजार बसें संचालति हो रही हैं, जो अलग-अलग रूट से प्रदेश के कोने-कोने तक जा रही हैं । इसी तरह राजय में लगभग 6000 स्कूल बस भी संचालति हैं । बसों में पैनकि बटन और जीपीएस के लगाने से बसों की पल-पल की जानकारी मलिगी ।
- नवीन वयवस्था के तहत स्कूल बस के रूट में भी मैप रहेगा, ताकिसकूल बस यदबच्चों को लेकर नरिधारति रूट के अलावा कहीं जाए तो ऑटोमेटिक अलर्ट आ जाए । इसके लयि कंट्रोल रूम में शफिट के हसिाब से चार करमचारयिों की ड्यूटी लगाई जाएगी, जो लगातार सभी बस को मॉनटर करते रहेंगे और इमरजेंसी की स्थति में पुलसि वभिाग को सूचति करेंगे ।
- क्या है जीपीएस?**
 - ग्लोबल पोजशिनिग ससिस्टम, यानी जीपीएस एक ऐसा उपकरण है, जसि अगर गाड़ी में फटि कर दया जाए तो एक नरिधारति सर्वर पर गाड़ी की लोकेशा का पता लगाया जा सकता है । जीपीएस ससिस्टम लगाने से आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगेगा तथा बसों के सही रूट की जानकारी मलि सकेगी ।
 - महिला और बच्चों की सुरकषा के लयि राजय की सभी स्कूल बस और यात्री बस को पैनकि बटन सुसजजति जीपीएस के माध्यम से मॉनटर कथिा जाएगा । इसके लयि नरिभया कमांड सेंटर बनाया गया है ।
- पैनकि बटन दबाते ही पुलसि को मलिगी सूचना**
 - परविहन वभिाग के आयुकत दीपांशु काबरा ने बताया कभहिलाओं की सुरकषा के लयि परविहन वभिाग ने कई नवाचारी पहल की है । इसी कड़ी में सारवजनकि परविहन में महिलाओं के सुरकषति यातायात को बढ़ावा देने के लयि नरिभया फंड के तहत भारत सरकार, सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय के नरिदेश अनुसार वहीकल ट्रैकगि प्लेटफॉर्म स्थापति कथिा गया है ।
 - परयिोजना के अंतरगत राजय में संचालति यात्री वाहनों में जीपीएस एवं पैनकि बटन लगेगा । कसिी भी आपात् स्थति में पैनकि बटन दबाने से तत्काल ही सूचना परविहन वभिाग के कमांड एवं कंट्रोल सेंटर के माध्यम से पुलसि वभिाग के डायल 112 को प्राप्त हो जाएगी, जसिसे महिलाओं एवं बच्चों का यात्री वाहनों में सफर सुरकषति होगा और आपात् स्थति में उन्हें सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी ।
- वाहनों की तेज़ी से होगी फटिनेस की जाँच**
 - परविहन वभिाग द्वारा प्रदेश में वाहनों की बढ़ती संख्या और दुर्घटनाओं को देखते हुए रायपुर और दुर्ग में आटोमेटेड फटिनेस सेंटर की स्थापना की गई है । फटिनेस सेंटर में मेनयुअल की तुलना में अधिक वाहनों का फटिनेस टेस्ट कथिा जा सकता है ।
 - फटिनेस सेंटर में माल वाहनों का फटिनेस टेस्ट ऑटोमेटेड मशीनों द्वारा कथिा जाएगा और टेस्ट में फेल होने वाले वाहनों को सड़क पर नहीं चलने दया जाएगा । सड़कों में फटि वाहनों का परचालन हो, इसमें ऑटोमेटेड फटिनेस सेंटर बड़ा मददगार साबति होगा और कम समय में अधिक-से-अधिक वाहनों का टेस्ट कथिा जा सकेगा ।
 - गौरतलब है कशायपुर और दुर्ग के बाद बलिसपुर, अंबकिापुर, जगदलपुर, कोरबा, रायगढ़, राजनांदगाँव में आटोमेटिक फटिनेस सेंटर स्थापति करने की कार्रवाई की जा रही है ।
- बनिा वैध दसतावेज़ वाले वाहनों पर होगी कार्रवाई**
 - परविहन वभिाग द्वारा आज शुरु हुई तीसरी परयिोजना आटोमेटिक नंबर प्लेट रकिंगनशिा कैंमरा वथि ई-डटिकशन है । परयिोजना अंतरगत ऐसे

वाहनों पर कार्यवाही की जाएगी, जो राजमार्ग में संचालित न होकर वभिन्न लॉकेज मार्गों से गुज़र रहे हैं।

- इन लॉकेज मार्गों पर एनपीआर कैमरा स्थापित किया जा रहा है, एनपीआर कैमरे के माध्यम से प्राप्त होने वाली गाड़ियों की जानकारी को वाहन सॉफ्टवेयर के डाटाबेस से मलिन कर बना वैध दस्तावेज़ के चलने वाली गाड़ियों पर ई-चालान किया जाएगा।
- इस हेतु एनआईसी के सहयोग से ई-डिटिक्शन सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। ई-डिटिक्शन सॉफ्टवेयर के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा से भी जानकारी प्राप्त कर बना वैध दस्तावेज़ के गुज़रने वाली गाड़ियों पर चालान कार्यवाही शुरू कर दी गई है।



LL

